नेशनल किकबॉक्सिंग प्रतियोगिता के समापन समारोह के अवसर पर माननीय राज्यपाल महोदय का सम्बोधन

(दिनांक 30 सितम्बर, 2024)

जय हिन्द!

ऊर्जा, उत्साह और जोश से भरे हुए आप सभी युवा खिलाड़ियों के बीच आकर, मुझे भी स्वयं के अंदर जोश, उमंग एवं प्रसन्नता की अनुभूति हो रही है।

रक्षा विशेषज्ञ एवं लेखक मेजर जनरल जी डी बक्शी जी, श्रीमती बक्शी जी, किकबॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ़ इंडिया (KFI) के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री योगेश कुमार जी, अध्यक्ष किकबॉक्सिंग उत्तराखण्ड के. सी. तिवारी जी, सभी रेफरीज, कोचेज और हमारे फाइटर बच्चों!

इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले सभी खिलाड़ियों को मेरी ओर से हार्दिक बधाई और असीम शुभकामनाएं!

मेरे युवा साथियों,

आप सभी हमारे देश का गौरव हैं और खेल के क्षेत्र में आपके योगदान से हम सब अत्यंत गर्वित हैं। मैं आप सभी खिलाड़ियों की मेहनत, समर्पण और खेल के प्रति जुनून की भरपूर सराहना करता हूँ।

खेल हमें सिखाते हैं कि उत्कृष्टता की कोई सीमा नहीं होती है और हमें अपनी पूरी ताकत से निरंतर प्रयास करते रहना चाहिए। खेल केवल शारीरिक स्वास्थ्य के लिए नहीं, बल्कि मानसिक विकास और अनुशासन के लिए भी महत्वपूर्ण है। आप जैसे युवा खिलाड़ी देश के भविष्य की नींव हैं।

खेल जीवन में चुनौतियों का सामना करने, कठिन परिस्थितियों में दृढ़ता बनाए रखने और सफलता के लिए टीम भावना के महत्व को सिखाते हैं। आप सभी ने अपनी कठोर मेहनत और समर्पण से यह सिद्ध किया है कि यदि ठान लिया जाय तो जीवन में कुछ भी असंभव नहीं है। असफलता भी तो सीखने का एक हिस्सा हैं, लेकिन खेल में आपके द्वारा दिखाया गया जज्बा खेल भावना और अनुशासन सबसे महत्वपूर्ण होता है।

युवा साथियों,

मैं आपसे आग्रह करता हूँ कि आप हमेशा खेल भावना बनाए रखें और अपने आदर्शों को ऊँचा रखें। देश के युवा आपकी ओर देख रहे हैं और आप सभी उन्हें प्रेरित करने वाले हैं। मुझे विश्वास है कि आप आगे भी हमारे देश और राज्य का नाम रोशन करेंगे और खेल के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करेंगे।

हम देख रहे हैं कि भारत के युवाओं में खेलों के प्रति जुनून और प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। केंद्र और राज्य

सरकार युवाओं को खेलों में करियर बनाने के लिए निरंतर प्रोत्साहित कर रही है। खेलों को बढ़ावा देने के लिए 2014 से खेल मंत्रालय का बजट लगभग तीन गुना बढ़ा दिया गया है।

खेलो इंडिया गेम्स के तहत 3,000 से ज्यादा खिलाड़ियों को 50,000 रुपये प्रतिमाह की मदद दी जा रही है। जमीनी स्तर पर लगभग 1,000 खेलो इंडिया केंद्रों में लाखों खिलाड़ी प्रशिक्षण ले रहे हैं।

हाल के एशियाई खेलों में शानदार प्रदर्शन कर हमारे खिलाड़ियों ने 100 से अधिक पदकों के साथ एक नया रिकॉर्ड स्थापित कर भारत का नाम रोशन किया। पेरिस 2024 खेलों में पैरालंपिक इतिहास में भारत ने अपना सबसे सफल प्रदर्शन करते हुए कुल 29 पदक जीते। यह साबित करता है कि देश के अंदर आज खेल सुविधाओं का प्रसार और अनुकूल वातावरण तैयार हो रहा है।

मैं आज के इस आयोजन और प्रतिभागियों के प्रदर्शन से बहुत प्रभावित हुआ हूँ। मुझे जानकारी दी गई है कि 2008 में KFI की स्थापना से अब तक 16 वर्षों की यात्रा में आपकी उपलब्धियां बहुत ही शानदार रही हैं। अभी तक फेडरेशन ने 16 सीनियर, 15 जूनियर और 14 सब जूनियर नेशनल प्रतियोगिताएं आयोजित की हैं।

मुझे बड़ी प्रसन्नता है कि KFI ने विश्व स्तर पर भी लगभग 4 वर्ल्ड प्रतियोगिताओं और 4 ओपन अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर

हमारे देश का परचम लहराया है और 61 मेडल्स जीते है जिसमे 17 स्वर्ण, 27 रजत व 17 कांस्य पदक शामिल है।

अक्टूबर 2021 में मिश्र देश की राजधानी 'काइरा' में आपके प्रतिभागियों ने विश्व स्तरीय प्रतियोगिता में 11 स्वर्ण, 8 रजत और 7 कांस्य पदक जीत कर इतिहास रचा। जो देश के लिए गर्व की बात है।

मुझे प्रसन्नता है कि नवम्बर 2024 में हमारी टीम वर्ल्ड किकबॉक्सिंग प्रतियोगिता में भाग लेने स्पेन में जा रही है। मैं आशा करता हूँ कि इस प्रतियोगिता की तरह ही शानदार प्रदर्शन, आप स्पेन में होने वाली वर्ल्ड किकबॉक्सिंग प्रतियोगिता में भी करते हुए देश का नाम रोशन करेंगे।

खेलों का हमारे जीवन में बहुत महत्व है, यह युवाओं के व्यक्तित्व निर्माण में बहुत सहायक होते हैं। इसी तरह किकबॉक्सिंग युवाओं में अनुशासन, स्वास्थ्य व खान–पान के प्रति जागरूकता और आत्मरक्षा के साथ–साथ आपके अन्दर आत्म विश्वास भी जगाता है। आत्म रक्षा के दृष्टिकोण से बेटियों के लिए तो यह खेल और भी अच्छा है।

साथियों,

यह गंभीर चिंता का विषय है कि आज कई युवा अपने भविष्य की अनदेखी कर, नशे की गर्त में फंसते जा रहे हैं। नशे की आदत केवल शारीरिक स्वास्थ्य को नुकसान नहीं

पहुंचाती, बल्कि मानसिक और सामाजिक जीवन को भी बर्बाद कर देती है। जिससे उनका परिवार और समाज भी प्रभावित होता है। हमें युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए सकारात्मक वातावरण बनाना आवश्यक है।

खेल की सबसे बड़ी ताकत युवाओं को विभिन्न बुराइयों से दूर ले जाने की क्षमता है। हम खेलों के प्रति आकर्षित कर युवाओं को समाज में व्याप्त इन बुराइयों से दूर रख सकते हैं क्योंकि इससे वे अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक होकर, अनुशासित जीवन जी कर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित होते हैं।

युवा दोस्तों,

खेल में कभी हार नहीं होती, इसमें आप या तो जीतते हैं या कुछ नया सीखते हैं। मैं उन सभी प्रतिभागियों को बधाई देता हूँ जिन्हें आज मेडल मिले और ट्राफी प्रदान की गई। जो इस बार पदक नहीं जीत पाए, मैं उन सभी को कहना चाहता हूँ कि आप निराश न हो बल्कि फिर से पूरी तैयारी के साथ प्रतियोगिता में भाग लें।

मैं धन्यवाद देना चाहूँगा मेजर जनरल जी डी बक्शी जी को कि वो किकबॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया का मार्ग दर्शन कर रहे हैं और उनके सतत प्रयास से यह खेल नई ऊँचाइयाँ छू रहा है।

अन्त में, मैं उन सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देता हूँ जो इस साल नवंबर माह में वर्ल्ड किकबॉक्सिंग प्रतियोगिता खेलने के लिए 'स्पेन' जा रहे हैं।

एक बार फिर सभी आयोजकों और प्रतिभागियों को मेरी तरफ से ढ़ेर सारी शुभकामनाएं और बधाई !

जय हिन्द!